आप बैठिए, मैं allow नहीं कर रहा हूँ...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए, उत्तर दिलाने की जिम्मेदारी मेरी नहीं है ...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए। देखिए, इस तरह से ...**(व्यवधान)**...

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, हमने अभी-अभी आज़ादी का 60वां समारोह मनाया है और इसी आज़ाद देश में इस प्रकार की घटनाएँ हो रही हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : होम मिनिस्टर साहब बैठे हैं, इन्होंने नोट कर लिया है...**(व्यवधान)**...

प्रो. राम देव भंडारी : गृह मंत्री जी यहाँ बैठे हैं, मैं चाहूँगा कि वे इस पर ध्यान दें।

श्री सभापति : श्री एस.एस. अहलुवालिया।

Re. Recent incident of forced hair cut of a Sikh youth in Jaipur

श्री एस. एस. अहलुवालिया (झारखंड) : सभापति महोदय, जयपुर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। ...**(व्यवधान)**...

SHRIMATI PREMA CARIAPPA (Karnataka): Sir, I was the first to give a notice on this issue. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : इनका नोटिस कल से है।

SHRIMATI PREMA CARIAPPA: Sir, I had given the notice first. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : इनका भी नोटिस है। आप बैठ जाइए।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सभापति महोदय, एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है, जहाँ पर सच्चाई का साथ देने वाले एक इंसान के साथ में बड़ा ही जघन्य और दुर्व्यवहार किया गया है। महोदय, कुछ मनचले लोग किसी लड़की को छेड़ रहे थे और राह जाता एक सिख नौजवान उस लड़की को बहन मानते हुए, किसी की बहन हो, पर उसको बहन मानते हुए उसकी रक्षा करने के लिए सामने आया और उसने उसे मुक्त कराने की कोशिश की। कोशिश करने का हश्र यह हुआ कि इन मनचले लड़कों ने इस नौजवान को कहा कि तू ज्यादा बहादुर है, बढ़ गया है, तो उसको पाठ सिखाने के लिए उसके धार्मिक प्रतीक यानी जो उसके लम्बे-लम्बे केश थे, वे काट डाले।

महोदय, ऐसी घटनाओं का जितना तिरस्कार किया जाए, वह कम है। इससे धार्मिक भावनाओं को बहुत बड़ी ठेस पहुँचती है। मेरे सामने वह ज़माना याद आता है, इतिहास का वह नजारा याद आता है, जब उस वक्त की हुकूमत के द्वारा चांदनी चौक के चौराहे पर मती दास और सती दास के बाल काटने की बात आई, तो उन्होंने कहा कि खोपड़ी काट लो, खोपड़ी की चमड़ी उतार लो, पर बाल मत काटना और उनकी खोपड़ियाँ उतारी गईं।

[उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) पीठासीन हुए]

एक सिख के जीवन में उसके केश का इतना महत्व है, इससे उसके धार्मिक सेंटिमेंट्स इतने जुड़े हुए हैं। इस घटना से सारा भारत तो क्या, सारे विश्व के सिख अपने धर्म के प्रतीक के इस अपमान की अपने-अपने तरीके से घोर भर्त्सना कर रहे हैं।

महोदय, जिस तरह से यह अपमान किया गया है, यह निंदनीय है और जिन्होंने यह कार्य किया है, उन पर कड़ी-से-कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। ऐसी कार्यवाही होनी चाहिए कि आइंदा दुनिया के किसी भी कोने में बैठा कोई भी इंसान किसी आदमी की धार्मिक आस्थाओं पर चोट न पहुंचाएं और उस की कोशिश न करे। यह कोशिश होनी चाहिए। ऐसी शिक्षा दी जानी चाहिए और यह शिक्षा हम तभी दे सकते हैं जब हम इस संबंध में कड़ी-से-कड़ी कार्यवाही करें। पर दुर्भाग्य से अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। मैंने कल इस बारे में महामहिम सभापति जी को personally मिलकर कहा था। मैंने कहा था कि चूंकि आप का राजस्थान सरकार में रसूख है, इसलिए आप राजस्थान सरकार से बात करें। उन्होंने गृह मंत्री जी से और वहां के डी0जी0 पुलिस से बात की। इत्तफ़ाक से आज देश का प्रधान मंत्री एक सिख है और इत्तफ़ाक से राजस्थान का डी0जी0पी0 भी एक सिख है, लेकिन सिख होने के नाते अपने अधिकारों की रक्षा करने में उन के लिए थोड़ी असुविधा है। उपसभापति महोदय, मैं अपने आप को कमजोर महसूस कर रहा हूं क्योंकि मैं आज अपने धर्म की बात कर रहा हूं। ...**(व्यवधान)**....

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान) : आप ऐसा मत सोचो, हम सब आप के साथ हैं।

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार): हम आप के साथ हैं।

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): हम सब आप के साथ हैं।

प्रो0 अलका क्षत्रिय (गुजरात) : हम आप के साथ हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री एस0एस0 अहलुवालिया : महोदय, अगर किसी और के अधिकार की बात होती, तो मैं अपने कण्ठ की पूरी ताकत से उसे रखता, लेकिन मैं आज अपने को कमजोर महसूस करता हूं।

श्री वीरेन्द्र भाटिया (उत्तर प्रदेश) : हम सब आप के साथ हैं।

श्री एस0एस0 अहलुवालिया : महोदय, मुझे बहुत अफसोस और बहुत तकलीफ है। मैं सारी रात यह सोचकर सो नहीं सका। मैंने टी0वी0 पर देखा कि जम्मू, कानपुर और दिल्ली, जालंधर, गंगानगर, जोधपुर और जयपुर - जहां-जहां हम लोग रहते हैं, वे सड़कों पर बैठे हुए हैं और परेशान हैं। महोदय, हमारे यहां पैदाइशी बाल भी नहीं काटे जाते और बालों को सहेजकर रखते हैं। आप अंदाज़ा लगाइए कि इस 22 साल के नौजवान को अपने बाल सहेजने में कितनी सांसें लगी होंगी और उस के साथ ऐसा दुर्व्यवहार हुआ। इस की जितनी भी निंदा की जाए, कम है। मैं चाहूंगा कि इस पर कड़ी-से-कड़ी कार्यवाही हो।

(श्री सभापति पीठासीन हुए)

SHRIMATI PREMA CARIAPPA (Karnataka): Sir, what happened in Jaipur is a †where a boy's hair was cut, who had a religious faith. It is a † that the Rajasthan Government was inactive when there were protests; there was violence and police have beaten up the youth, women and

† Expunged as ordered by the Chair.

everybody and more than ten people have been injured. Sir, I would like to tell Mr. Ahluwalia that he need not be worried about what he said: your party people may not be with you people, but we are there with you. We are supporting you people and we are with you. I am very sorry to say that the Rajasthan Government, especially the BJP Government, have started a well-planned attack on the minority communities. They have started it with the Muslims, then Christians and now they have started with the Sikh community. It is a † . I would like to say that the Government should take stringent action against the recurrence of such incidents in order to save this community. Thank you.

श्री सभापति : श्री तरलोचन सिंह।

श्री तरलोचन सिंह (हरियाणा) : सर, अहलुवालिया साहब ने जो बात कही है, मैं उस में एक ही बात add करना चाहता हूं कि यह जो दुर्घटना हुई, इस की निंदा सारे हाउस के मेंबर्स कर रहे हैं, लेकिन मुझे इस में एक बात जरूर कहनी है कि कल हमारे एस0जी0पी0सी0 के प्रेसीडेंट वहां गए थे और उन की ज्वॉइंट मीटिंग हुई।

दोनों पुलिस ऑफिसर्स, जो इनवॉल्व्ड थे, वे सस्पेंड हुए हैं। इसके लिए We are thankful to the Government of Rajasthan. लेकिन जो Central School है, वह गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के under आता है। हमें खेद है कि अभी तक HRD Ministry ने उस सेन्ट्रल स्कूल के प्रिंसिपल के बारे में, जहाँ यह वाक़या हुआ है, कुछ नहीं किया। इसलिए हम अपील करते हैं कि सेंट्रल गवर्नमेंट भी इस बात में पूरा हिस्सा ले, ताकि यह जो घटना है, वह हिन्दुस्तान में दोबारा न हो।

SHRI ARUN SHOURIE (Uttar Pradesh) : Sir, it is a matter of investigation as the accused have been arrested this morning. ...(*Interruptions*)... Accused have been arrested. ...(*Interruptions*)...

श्री राज मोहिंदर सिंह मजीठा (पंजाब) : चेयरमैन साहब, इस महत्पूर्ण मामले पर आपने मुझे बोलने का जो टाइम दिया, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। सारे हाउस ने इस घटना को कंडेम करने के लिए सपोर्ट किया है। सिख एक ऐसी कौम है, जिसको गुरु गोविन्द सिंह जी ने ज़ुल्म के खिलाफ़ लड़ने के लिए तैयार किया। उसी के एक ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप एसोसिएट कर लीजिए ...**(व्यवधान)**...

श्री राज मोहिंदर सिंह मजीठा : उसी के एक सिपाही के, उसी के एक पैरोकार के इस तरह से केश काटे गए ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : यह बात तो बता दी ...**(व्यवधान)**...

---

† Expunged as ordered by the Chair.

श्री राज मोहिंदर सिंह मजीठा : हमारी विनती है कि सेन्ट्रल सरकार इस पर...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : हाँ, ठीक है। हमने सेन्ट्रल गवर्नमेंट को आपके लिए बुलाकर बिठा रखा है ...**(व्यवधान)**...

श्री राज मोहिंदर सिंह मजीठा : वे क्या एक्शन लेने वाले हैं?

श्री सभापति : एसोसिएट करने हैं, बाकी नहीं ...**(व्यवधान)**...

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Thank you, Mr. Chairman. Sir, on behalf of my Party, I would like to completely associate myself with what Mr. Ahluwalia raised. ...(*Interruptions*)... I just want to assure him. ...(*Interruptions*)... Just one minute. ...(*Interruptions*)... I just want to assure him that he should not feel diffident. Not only he and the Prime Minister, all the Sikhs of the country, ...(*Interruptions*)... We in this country hold the Sikh community in the highest of esteem. Any insult to them is an insult to India and in that spirit let us not make it a partisan thing. In this spirit, I associate myself with this matter and request that the State Government there take necessary action to prevent anything of that sort from happening. ...(*Interruptions*)... He has said it. ...(*Interruptions*)... I am repeating what Mr. Ahluwalia has said ....(*Interruptions*)...

श्री सभापति : बोलने दीजिए, बोलने दीजिए ...**(व्यवधान)**...

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Sir, I associate myself with the sentiments expressed on this issue. ...(*Interruptions*)...

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, अहलुवालिया जी ने जो प्रश्न उठाया है, मैं उससे सहमत हूँ। यहाँ गृह मंत्री जी बैठे हैं। माइनॉरिटी के साथ कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। वह दाढ़ी चाहे सरदार की हो, या चाहे जो अभी मुम्बई में भी तीन मुसलमान नौजवानों की भी दाढ़ी इस तरह से काटी गई है, किसी भी माइनॉरिटी की दाढ़ी नहीं काटी जाए, उनकी धार्मिक भावनाओं से छेड़छाड़ नहीं किया जाए। हिन्दू, मुसलमान, सिख, इसाई, सब के साथ आदर का भाव रखा जाए। गृह मंत्री जी ने आश्वासन दिया था। मैं चाहूँगा कि चाहे वह राजस्थान की सरकार हो या चाहे केन्द्र की सरकार हो, सभापति महोदय, मैं अहलुवालिया जी द्वारा उठाए गए संवेदनशील मसले पर अपने आपको अपनी पार्टी को एसोसिएट करता हूँ।

श्री सभापति : माननीय गृह मंत्री जी।

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार) : सर, एक मिनट ...**(व्यवधान)**... सिर्फ एक बात कहूँगा, सर ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : नहीं, अब तो गृह मंत्री जी खड़े हो गए। ...**(व्यवधान)**...

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार): सर, मैं अपने को एसोसिएट करता हूँ और यह बात कहता हूँ कि प्राथमिकी अंकित की गई है, तो जो victim हैं, उनके बयान के आधार पर जो एक्यूज्ड हुए होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। जो आदमी वहाँ चश्मदीद गवाह थे, जैसे टीचर थे या स्टूडेंट्स थे, जिन्होंने भड़काने का काम किया, उकसाने का काम किया, उनके खिलाफ एक व्यापक जाँच की जाए, उनको भी अंकित की गई प्राथमिकी में अभियुक्त बनाया जाए तथा सारे दोषी पकड़े जाएँ। यह हमारी माँग है।

श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश) : सर, एक मिनट ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : ठीक है, ठीक है। ...**(व्यवधान)**... अब आप रहने दें ...**(व्यवधान)**... मैं अलाऊ नहीं करूँगा ...**(व्यवधान)**... मैं अलाऊ नहीं करूँगा ...**(व्यवधान)**...

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी0 पाटिल) : श्रीमन्, श्री अहलुवालिया जी ने यहाँ पर जो मुद्दा उठाया है, उससे सारा सदन सहमत है। मैं बड़े अदब से कहना चाहूँगा कि अहलुवालिया जी अपने को अकेला न समझें, हम सब लोग उनके साथ हैं।

सर, मेरे पास जो इन्फॉर्मेशन आया है, वह इस प्रकार का है कि एक गाड़ी आई, जिसमें कुछ बच्चे बैठे हुए थे। जाते समय इस भाई को, हमारे सिख भाई को गाड़ी में उठाकर ले लिया गया। गाड़ी में लेने के बाद उनके बाल काटे गए और उनको मारा भी गया। इस प्रकार का इन्फॉर्मेशन आया है। इसकी First Information Report किए जाने पर कार्रवाई वहाँ पर शुरू कर दी है। राजस्थान की सरकार ने जो वहाँ पर पुलिस स्टेशन पर एक इंस्पेक्टर था और दूसरे ऑफिसर थे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की है, उनको भी ससपेंड किया है। उन्होंने यह आश्वासन दिया है, जो भी उनको मिले हैं कि पूरी तरह से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जो दोषी पाया जाएगा, जिन्होंने किया है और जिन्होंने प्रोत्साहित किया है, उनके खिलाफ़ भी उन्होंने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। उस आश्वासन से सारे सिख भाई, सारे धर्म के समाधानी हैं, ऐसा हमको बताया गया है। यहाँ पर मैं आपसे सिर्फ यह विनती करना चाहता हूँ कि ऐसे हादसे दो भाइयों के अन्दर या अनेक भाइयों के अन्दर झगड़े लगाने के लिए लोग शुरू करते हैं। इसलिए जब इसके संबंध में हम कुछ बोलते हैं, तो एक बात करते समय दूसरी बात ऐसी न कहें, जिसकी वजह से जो लोग ऐसा करना चाहते हैं, उनका उद्देश्य पूरा हो जाए। हम सब लोग मिलकर सारे भाइयों को, माइनोरिटी को, मेजोरिटी को, देश के सारे भाइयों को संरक्षण देने का जो काम सरकार का काम है, वह हम करेंगे। राजस्थान की सरकार अच्छे ढंग से कर रही है, ऐसा हमको मालूम है। अगर न करे, तो जो डायरेक्शन उनको देने की हमें जरूरत होगी, वह दे देंगे और जो करना है, वह भी करेंगे।

प्रो0 राम देव भंडारी (बिहार) : मान्यवर, मैंने भी बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे। ...**(व्यवधान)**...

श्री शिवराज वी. पाटिल : श्रीमन्। ...**(व्यवधान)**...

श्री मंगनी लाल मंडल : यह हरिजन महिलाओं के साथ वहां ऐसा हो रहा है।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : आप बैठ तो जाएं। मंत्री जी बोल रहे हैं, आप उन्हें बोलने नहीं देते।

श्री शिवराज वी. पाटिल : श्रीमन्, यह भी मुद्दा महत्वपूर्ण है और इसे दूसरे सदन में भी उठाया गया था। इसमें हमको बताया गया है कि यह जो हादसा है, हमारी बहुत सारी दलित महिला बहनों के साथ हुआ यह हादसा है। हमारी पूरी सहानुभूति है और इसमें जो भी कार्रवाई करना आवश्यक है, वह करने के लिए हम स्टेट गवर्नमेंट को कहेंगे, उनसे मालुमात लेंगे। उसके बाद अगर हमारा समाधान नहीं हुआ, तो दूसरा क्या करने का है, वह देखेंगे।

श्री सभापति : ठीक है। एक और मुद्दा फ्लड के मामले का आया है। कलराज मिश्र जी, श्रीमती माया सिंह, श्री के.बी. शणप्पा, श्री ललित किशोर चतुर्वेदी, आपमें से कोई एक बोल लें और बाकी के एसोसिएट कर ले। ...**(व्यवधान)**... चलिए, प्रदेश के हिसाब से बोल लें।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान) : माननीय सभापति महोदय।

श्री सभापति : ठीक है, मैं समझ गया, आप राजस्थान के संबंध में बोलना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, राजस्थान में ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : राजस्थान का? इस पर तो राजस्थान के मैम्बर बोल लेंगे, आप क्यों तकलीफ करते हैं। ...**(व्यवधान)**... ललित किशोर जी बोलेंगे।

श्री वी. नारायणसामी (पाण्डिचेरी) : सर, राजस्थान पर इधर से भी।

श्री सभापति : कोई भी नहीं गया वहां। ...**(व्यवधान)**...

Severe floods in some parts of the State of Rajasthan

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : माननीय सभापति महोदय, राजस्थान के दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी भाग में जो अभूतपूर्व बाढ़ की स्थिति आ गई है, उसने पुराने सारे रिकॉर्ड समाप्त कर दिए हैं। गुजरात, मध्य प्रदेश में जो अचानक बादल फट गए, तेज वर्षा हो गई, उसके कारण गांधी सागर में इतना पानी आया कि वह पानी नीचे लगातार आते-आते कोटा में, वहां के 19 में से 17 गेट खोलने पड़ें, जिसके कारण इतनी तबाही मची हुई है कि कोटा का सारा शहर, जो 20 किलोमीटर लंबा है, वहां इतना भयंकर कटाव हो रहा है कि उसके कारण कच्ची बस्तियां डूब गई हैं, कई लोग डूब गए हैं, मकान नष्ट हो गए हैं। इतना ही नहीं, राजस्थान के 12 जिलों में एक के बाद एक ऐसी स्थिति पैदा हो गई है, बाड़मेर में तो सौ घंटे लगातार वर्षा हुई है। सभापति जी, आप तो उसी क्षेत्र के हैं, सौ घंटे पानी पड़ने के कारण 40 लोगों के मरने की पुष्टि हुई है।

श्री सभापति : यह आपको किसने कहा?

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : सर, यह 40 लोगों के मरने की पुष्टि तो सरकार ने की है, किन्तु मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि जो कल बाढ़ आई है, बाड़मेर में से होकर उसमें डेढ़ सौ लोगों के मरने की आशंका प्रकट की जा रही है। मैं अपके माध्यम से दो-तीन बातें कहना चाहता हूँ। इस बाढ़ के पानी से आज जिस प्रकार का कटाव हो रहा है और कोटा के अंदर जो क्षेत्र डूब गया है, पहले भी डूबा, लेकि आज जो यह स्थिति पैदा हो गई है कि वह चाँदमारी